সহীহ ইবনু হিব্বান (হাদিসবিডি)

হাদিস নাম্বারঃ ২৪২৭

৯. কিতাবুস সালাত (كتاب الصلاة)

পরিচ্ছেদঃ যে কেউ তিন রাকাত বিতর পড়তে চায় তার জন্য তা জায়েজ কিনা তা উল্লেখ করা

ذِكْرُ إِبَاحَةِ الْوِتْرِ بِثَلَاثِ رَكَعَاتٍ لِمَنْ أَرَادَ ذلك

আরবী

2427 ـ أَخْبَرَنَا أَحْمَدُ بْنُ الْحَسَنِ بْنِ عَبْدِ الْجَبَّارِ الصُّوفِيُّ قَالَ: حَدَّثَنَا يَحْيَى بْنُ مَعِينٍ قَالَ: حَدَّثَنَا أَبُو حَفْصٍ الْأَبَّار عَنِ الْأَعْمَشِ عَنْ زُبَيْدٍ الْإِيَامِيِّ وَطَلْحَةَ عَنْ ذَرٍّ عَنْ سَعِيدِ بْنِ عَبْدِ الرَّحْمَنِ بْنِ أَبْزَى عَنْ أَبِيهِ عَنْ أُبَيِّ بْنِ كَعْبٍ أَنَّ النَّبِيَّ صَلَّى الله عليه وسلم كان يوتر بـ {سبح اسم ربك الأعلى} [الأعلى: 1] و {قل يا أيها الكافرون} [الكافرون: 1] و {قل هو الله أحد} [الإخلاص: 1].
الراوي : أُبَيِّ بْن كَعْبٍ | المحدث : العلامة ناصر الدين الألباني | المصدر : التعليقات الحسان على صحيح ابن حبان
الصفحة أو الرقم: 2427 | خلاصة حكم المحدث: صحيح ـ ((صحيح أبي داود)) (1279).

বাংলা

২৪২৭. উবাই বিন কা‘ব রাদ্বিয়াল্লাহু আনহু থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন “নিশ্চয়ই রাসূল সাল্লাল্লাহু আলাইহি ওয়া সাল্লাম سَبِّحِ اسْمَ رَبِّكَ الأعلى (আপনার প্রভুর নামের পবিত্রতা ঘোষনা করুন।- সূরা আ‘লা: ১।) , قل يا أيها الكافرون (আপনি বলুন, হে কাফিরগণ। -সূরা কাফিরূন।) ও قل هو الله أحد (বলুন, আল্লাহ এক। সূরা ইখলাস: ১।) পাঠ করতেন।”[1]

ফুটনোট

[1] আবূ দাঊদ: ১৪২৩; ইবনু মাজাহ: ১১৭১; নাসাঈ: ৩/২৪৪; সুনান বাইহাকী: ৩/৩৮।

হাদীসটিকে আল্লামা শুআইব আল আরনাউত রহিমাহুল্লাহ সহীহ বলেছেন। আল্লামা নাসির উদ্দিন আলবানী রহিমাহুল্লাহ হাদীসটিকে সহীহ বলেছেন। (সহীহ আবূ দাঊদ: ১২৭৯)

হাদিসের মান: সহিহ (Sahih) পুনঃনিরীক্ষিত

পাবলিশারঃ হাদিসবিডি বর্ণনাকারীঃ উবাই ইবনু কা‘ব (রাঃ)

Link — https://www.hadithbd.com/hadith/link/?id=91752

হাদিসবিডির প্রজেক্টে অনুদান দিন